500Rs.

A रु. 200.00
27.00
230.45
625.00

नाम मौकिर

श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह वल्द स्वर्गीय हर दयाल सिंह जात राजपूत 'भारतीय' पेशा खेती वो नौकरी साकिन मौजा केतारीबार प्रगना दंतार थाना हन्टरगंज रजिस्ट्री ऑफिस चतरा जिला चतरा।

नाम मौकिर अलेहुम

1. अमिताभ कुमार वल्द श्री उदय कुमार सिंह 'अवयस्क' कायम 2. विवेक कुमार वल्द श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह 'अवयस्क' कायम 3. मिलेश कुमार वल्द श्री रवीन्द्र नारायण सिंह कायम जात राजपूत 'भारतीय' पेशा खेती साकिनान

Rajendra Pd Singh 4.1.1993

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

मौजा मंकगावा परगना दन्नार थाना हन्टरगंज रजिस्ट्री ऑफिस चतरा जिला चतरा।

किस्म वसीका

केवाला बैयना कलामी sale deed.

मूल्य, जरसमन

मो. ५०००) पांच हजार रुपया जिसका आधा मो. २५००) दो हजार पांच सौ रुपया होता है।

सम्पत्ति सयमोबईया

मवाजी १८ डीसमील (अठारह डीसमील) जमीन मिन जुमेल मवाजी २० डी. के जमीन हकियत रैयती कायमी वाके मौजा चौंर थाना नम्बर १५० परगना कुन्डुरी थाना चतरा रजिस्ट्री ऑफिस चतरा जिला चतरा अन्दर चतरा नगरपालिका तौजी नम्बर २८ खेवट नम्बर १ जमीन अन्दर खाता नम्बर ३३ (तैंतीस) प्लौट नम्बर २५५ (दो सौ पचपन) रकवा १९ डी. (उन्नीस डी.) मध्ये रकवा १७ डी. (सतरह डी.) वो प्लौट नम्बर ३०० (तीन सौ) रकवा १ डी. (एक डी.) दोनों प्लौट का जुमला खरीदगी रकवा २० डी. (बीस डीसमील) मध्ये रकवा १८ डी. (अठारह डी.) जानीब उतर

Rajendra Pd Singh
4.1.93

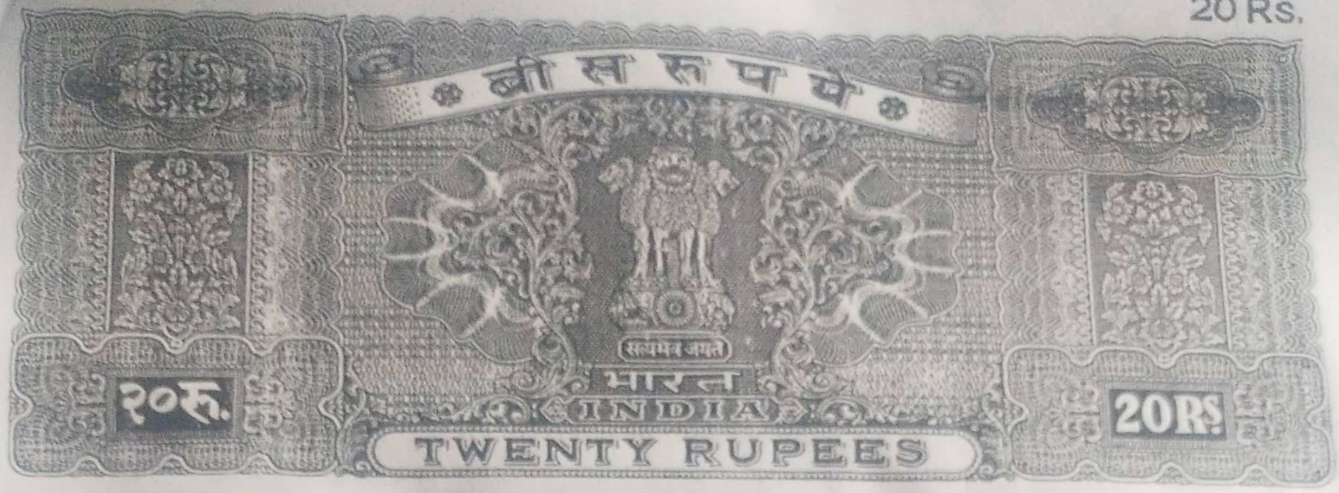

20 Rs.

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२०रु. 20RS

TWENTY RUPEES

मवाजी 2 डी॰ (दो डी॰) जमीन मोकिर, पूरब कांग्रेस ऑफिस, पश्चिम सड़क सरकारी जमा खाता एक जमा मौट दो जमा रकवा 20 डी॰ (बीस डी॰) मध्ये 18 डी॰ (अठारह) डी॰ जमीन जिसका सालाना माल गुजारी मो॰ 10 दस पैसा अलावे सेस वगैरह के मोकिर अलेहुम दिया करेगें।

नाम मालिक :- बिहार सरकार अंचल चतरा।

2 यहकि जमीन मवाजी 20 डी॰ हकियत रैयती कायमी मनमोकिर का खरीदगी बजरिये वसीका केवाला बैला कलामी नवोसिंते सदीक खां वगैरह से ब-तारीख 15.6.1972 ई॰ को है जिसका वसीका नं॰ 11467 बुक नम्बर I, भौलुम नम्बर 18, पेज नम्बर 6 से 11 है जो वसीका चतरा सब रजिस्ट्री ऑफिस के रजिस्टर में दिनांक 20.8.72 ई॰ को दर्ज हुआ है। तारीख खरीदगी से मनमोकिर का दखल हुआ और है मनमोकिर के नाम से दाखिल खारिज होकर मनमोकिर के नाम से सरकारी रसीद कट रही है।

3 यहकि मनमोकिर को बाद में रूपये की असल जरूरत ग्राम केतामोपार में अपना मकान बनाने के लिये था जो रूपये का

Rajindra Pd Singh
4.1.1993

2 R$

INDIA

दो रुपये — दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

प्रबन्ध जेब खास से हो नहीं सकता था कि जमीन सयेमोबईया मजकुर को बिक्री करने का बातचित कई लोगों से किया लेकिन जमीन मजकुर को मोकिर अलेहुम वो उनके पिता को छोड़कर दूसरा कोई वाजीब किमत देकर जमीन खरीदने को तैयार नहीं हुये लेहाजा मनमोकिर ने मोकिर अलेहुम के साथ जमीन सयेमोबईया मजकुर को वाजीब किमत मो. ५०००) पांच हजार रुपया पर बिक्री करने का तय किया और बेचा।

३ यहाके बिक्री को बातचित तय करने के बाद मनमोकिर ने मोकिर अलेहुम तथा उनके पिता से जमीन मजकुर का कुल किमत मो. ५०००) पांच हजार रुपया वसूल वो बेबाक पाकर मोकिर अलेहुम के नाम से किता बयेबयाना सादा दिनांक २.१०.८४ ई. को लिख वो लिखवा कर मोकिर अलेहुम के हवाले किया और जमीन सयेमोबईया मजकुर पर खास दखल दे दिया था। चुंकि मनमोकिर बाहर में नौकरी करता था और चुंकि तुरत जाकर काम पर हाजीर होना था इस वजह से केवाला तुरत पर बाजारो रीजस्ट्री नहीं कर सका। उसके बाद मनमोकिर लगातार उड़ीसा के अन्दर धनकेनाल जिले के अन्दर तथा मध्य प्रदेश में नागपुर वो विलासपुर वैगेरह [illegible]

Rajendra Pd Singh
4.1.1993

INDIA

एक रुपया

सत्यमेव जयते

ONE RUPEE भारत ONE RUPEE

रहकर फसील महाफिलात तसर्रुफ किया करें, मकान बनावें कुंआ खोदावें चाहे जिस कदर मोनासीब समझे अपने मसरूफ में लावें और अपना नाम मोकिर अलेहुम का सोरेश्ते अहले मालिक के दर्ज कराकर मालगुजारी मोकर्रवाला बिहार सरकार को देकर रसीद अपने नाम से हासील किया करें उपरोक्त जायदाद हर तरह के बारदेन से पाक व साफ है। अगर पाई जाय तो इसका देनदार मोकिर है इसमें मनमोकर को कोई उजुर नहीं है।

४ यह कि मनमोकर कुल जरसमन का रुपया बहुत कबल बयबैयाना के समय वसूल पा चुके है रारमोहरा जिम्में बाबत मोकिर अलेहुम के नहीं छोड़ा है इस वजह से बाजत तथा उजूल बदलेन के बाकी नहीं रहे।

इसलिए मनमोकर अपनी खुशी से वसीका केबाला बेला कलामो मोकिर अलेहुम के नाम से लिख दिया कि समय पर काम आवे बतार तारीख ३ तीन माह जनवरी सन १९९३ उनीस सौ तिरानबे।

धारा ६ एवं ७ के अन्तर्गत मुझे कोई नोटिस नहीं मिली है धारा १० एवं ११ के अनुसार मेरा नाम सिलिंग रेकर्ड में नहीं है।

Rajendra Pd Singh 4.1.1993

मैं विजय कुमार सिंह मजीद को गवाह सा॰ पतरा मजकूर वसीका के आला कलामो का पढ़ कर मोकिर को सुना दिया सह॰ स्वा॰ ता॰ ३-१-९३